अमृत विचार

बरेली महानगर

www.amritvichar.com

बरेली , मंगलवार,9 दिसंबर 2025

सुविचार

उन सभी कारणों को भूल जाएं कि कोई कार्य नहीं होगा, आपको केवल एक अच्छा कारण खोजना है कि यह कार्य सफल होगा।

-डॉ. राबर्ट

बरेली के प्रमुख समाचार

- हत्या कर शव फेंकने का ठिकाना बनी बरेली-II
- इचौरिया के बूथ पर सुपरवाइजर पर हमला, एसआईआर के फार्म फाड़े-III
- कूच बिहार ट्रॉफी : 16 से यूपी और पश्चिम बंगाल के बीच होगा मैच-IV

सिटी ब्रीफ

कार्यों की अनदेखी पर डीसी मनरेगा से मांगा जवाब

बरेली, अमृत विचार : सीडीओ देवयानी ने मनरेगा से कराए जाने वाले कार्यों का स्थलीय निरीक्षण नहीं करने पर डीसी मनरेगा मो . हसीब अंसारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सीडीओ ने डीसी मनरेगा को निर्देश दिए थे कि वह प्रतिमाह प्रत्येक विकास खंड में अधिक धनराशि व्यय वाले कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता और मानकों का सत्यापन करते हुए निरीक्षण आख्या दें लेकिन इसका पालन नहीं किया। डीसी मनरेगा की इस उदासीनता के कारण जिला और विभाग की छवि धूमिल हो रही है। सीडीओ ने तीन दिन में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है, अन्यथा उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी।

राशन वितरण 10 से 28 दिसंबर तक

बरेली, अमृत विचार : सरकारी राशन का वितरण 10 दिसंबर से होगा। पूर्ति विभाग ने इस संबंध में कोटेदारों को निर्देश दिए हैं। जिला पूर्ति अधिकारी मनीष सिंह ने बताया कि 10 से 28 दिसंबर तक राशन का निशुल्क वितरण होगा। अंत्योदय योजना के तहत प्रति कार्ड पर 14 किलो गेहूं, 21 किलो चावल समेत कुल 35 किलो राशन मिलेगा। पात्र गृहस्थी के तहत प्रति यूनिट पर 2 किलो गेहूं और 3 किलो चावल का वितरण किया जाएगा। उन्होंने कोटेदारों को निर्देश दिए हैं कि सुबह 8 से दोपहर 12 और दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक दुकान खोलकर राशन का वितरण करें।

जिमनास्टिक के ट्रायल 11 और 12 को

बरेली, अमृत विचार : क्षेत्रीय खेल कार्यालय प्रयागराज की ओर प्रदेश स्तरीय समन्वय सब-जूनियर बालक और बालिका वर्ग की जिमनास्टिक प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 दिसंबर तक किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए बरेली की टीम का चयन ट्रायल के माध्यम से किया जाएगा। जिला स्तरीय ट्रायल 11 दिसंबर को दोपहर 2 बजे से और मंडल स्तरीय ट्रायल 12 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से होंगे।

छात्रवृत्ति फॉर्म जमा करने को छात्राओं की लगी लाइनें

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में दो दिन के अवकाश के बाद सोमवार को छात्राओं की काफी भीड़ उमड़ी। इनमें अधिकांश छात्राएं छात्रवृत्ति फार्म जमा करने के लिए पहुंची थीं। काउंटरों पर छात्राओं की लंबी लाइनें लगी रहीं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की शनिवार को परीक्षा और रविवार के अवकाश की वजह से सोमवार को कॉलेज खुला। विद्यार्थी अपने छात्रवृत्ति फार्म के दस्तावेजों की जांच करवाने और फार्म जमा करने की प्रक्रिया पूरी करने में जुटे रहे। कॉलेज प्रशासन की ओर से छात्राओं की लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त काउंटर बनाए और इन पर अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर व्यवस्था बनाई। छात्राओं की अधिक संख्या होने के कारण 4 छात्रवृत्ति काउंटर में से 3 पर छात्राओं की लाइनें लगाई गईं और एक पर छात्र लाइन में लगे। छात्रवृत्ति फॉर्म जमा करने के साथ छात्रों की बायोमेट्रिक भी की गई। प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्य लगातार व्यवस्था की निगरानी करते रहे।

डिब्रूगढ़-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन का आज से होगा संचालन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पहले से निरस्त चल रही ट्रेनें कम होने से लिया गया फैसला

अमृत विचार : हवाई यात्रा पर संकट के बीच रेलवे की तरफ से यात्रियों को राहत दी गई है। रेलवे ने 05903 डिब्रूगढ-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। 9 दिसंबर से ट्रेन डिब्रूगढ से आनंद विहार पहुंचेगी।

उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से फंसे हुए यात्रियों के लिए रेलवे की तरफ से स्पेशल ट्रेन 05903-05904 डिब्रूगढ-आनंद विहार संचालित की जाएगी। 05903 डिब्रूगढ-आनंद विहार 9 दिसंबर को डिब्रूगढ से दोपहर 2 बजे चलने के बाद न्यू तिनसुकिया, दिमापुर, गुवाहाटी, कोकराझाड, किशनगंज, कटिहार, बरौनी, शाहपुर, हाजीपुर, सोनपुर, छपरा, सिवान, देवरिया, गोरखपुर, बस्ती, गोंडा से होते हुए अगले दिन सुबह 7:10 बजे लखनऊ पहुंचेगी। यहां से बरेली, मुरादाबाद, गाजियाबाद होते हुए शाम 4 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। वहीं वापसी में 05904 आनंद विहार-डिब्रूगढ़ 12 दिसंबर को आनंद विहार से रात 12:40 बजे चलने के बाद अगले दिन सुबह 11:10 बजे लखनऊ और अगली शाम 5:20 बजे डिब्रूगढ़ पहुंचेगी। इसके अलावा 04207 वाराणसी से 8 दिसंबर को दोपहर 2:50 बजे चलकर मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन शाम 4:50 बजे, रायबरेली शाम 6:25 बजे, लखनऊ रात 8:20 बजे, बरेली से रात 12:38 बजे, मुरादाबाद से रात 2:10 बजे, गाजियाबाद सुबह 4:28 बजे होते हुए नई दिल्ली सुबह 5:15 बजे पहुंचेगी। वापसी में 04208 स्पेशल ट्रेन मंगलवार को सुबह 10:55 बजे नई दिल्ली से चलेगी, जो लखनऊ से रात 8:05 बजे होते हुए वाराणसी रात 1:20 बजे पहुंचेगी।

इसके अलावा लंबी दूरी की ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट लगातार लंबी होती जा रही है। 15012 लखनऊ-चंडीगढ़ एक्सप्रेस में 20 दिसंबर तक नो रूम है। 12232 चंडीगढ़-लखनऊ एक्सप्रेस में भी यही स्थिति है। 12230-29 लखनऊ मेल, 14208-07 पद्मावत एक्सप्रेस, 15128-29 काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस, 15910-09 अवध असम एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट लगातार लंबी होती जा रही है।

मुख्यमंत्री 11 को आएंगे, विकास कार्यों की करेंगे मंडलीय समीक्षा

त्रिशूल एयरपोर्ट पर चेंजओवर के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा नेताओं को दिए संकेत, जिला प्रशासन ने शुरू की तैयारियां

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- मंडलीय समीक्षा के लिए मुरादाबाद जाते समय जिले के भाजपा नेताओं से की मुलाकात
- मुख्यमंत्री की पिछली समीक्षा में निशाने पर रहे विभाग अपने आंकड़े दुरुस्त करने में जुटे

अमृत विचार : आगरा, अलीगढ़ और मुरादाबाद मंडल का दौरा करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 11 दिसंबर को बरेली आ रहे हैं। वह विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की मंडलीय समीक्षा बैठक करेंगे। वह समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार या फिर विकास भवन सभागार में करेंगे, इसको लेकर स्थिति अस्पष्ट है। मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पिछली बैठक में मुख्यमंत्री ने किस-किस विभाग को क्या दिशा-निर्देश दिए, उन विभागों ने होमवर्क तेज कर दिया है। वहीं, सोमवार को एयरफोर्स में चेंजओवर के दौरान योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों से बरेली आगमन की बात कही।

शहर के जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष उन मुद्दों को उठाने के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है। जिन मुद्दों पर पिछली मंडलीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अफसरों को प्रस्ताव बनाकर भेजने को निर्देशित किया था। उसमें तीन सौ बेड हॉस्पिटल को एम्स की तर्ज पर सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल बनाने, सेटेलाइट फ्लाईओवर को वाईशेप में बनाने के साथ सौ फुटा रोड पर फ्लाईओवर आदि मुद्दे शामिल हैं। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर शहर में सड़कों के गड्ढे भी भरे जा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग की टीम सोमवार को विकास भवन रोड से लेकर शहामतगंज पुल और स्टेडियम रोड पर गड्ढे भरती नजर आई। इसके साथ ही सर्किट हाउस और विकास भवन रोड से लेकर डेलापीर तक डिवाइडर की भी रंगाई-पुताई करायी जा रही है। डिवाइडर को चमकाने का कार्य कई दिनों से चल रहा है।

उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को मुरादाबाद दौरे पर गए। मुरादाबाद जाने के दौरान उन्होंने एयरफोर्स में चेंजओवर किया। मुख्यमंत्री करीब 10.20 बजे राजकीय वायुयान से त्रिशूल एयरपोर्ट पर उतरे और चेंजओवर के दौरान वनमंत्री डॉ. अरुण कुमार, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, मेयर डॉ. उमेश गौतम, बिथरी विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा, नवाबगंज विधायक डॉ. एमपी आर्य, मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा, एमएलसी बहोरन लाल मौर्य, एमएलसी कुंवर महाराज सिंह और भाजपा के तीनों जिलाध्यक्षों में अधीर सक्सेना, आदेश प्रताप सिंह, सोमपाल शर्मा के अलावा सांसद प्रतिनिधि दुष्यंत गंगवार ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। करीब पांच मिनट की मुलाकात में मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से बरेली के हालचाल जानें। एसआईआर कार्य को पूरी लगन से संपन्न कराने के लिए कहा। इसके साथ 11 दिसंबर को बरेली आगमन पर मंडलीय समीक्षा बैठक करने के संकेत दिए हैं। वहीं, प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी 11 को सीएम के आगमन की बात सही बताई है।

एयरफोर्स में चेंजओवर के दौरान जनप्रतिनिधियों और भाजपा पदाधिकारियों से हालचाल पूछते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पुलिस लाइन रोड पर डिवाइडर पर पुताई करते हुए मजदूर।

टेंडर प्रक्रिया में अटकी निगम की लकड़ी, ठिठुर रहे लोग

बरेली, अमृत विचार : दिसंबर के आरंभ से ठंड का प्रकोप बढ़ता रहा है, लोग धूप खिलने के बाद ही घरों से निकल रहे हैं, लेकिन रोडवेज, सैटेलाइट बस स्टेशन और रेलवे जंक्शन पर आने वाले सैकड़ों यात्रियों के साथ ही राहगीरों के ठंड से बचाव करने के लिए अलाव का फिलहाल कोई इंतजाम नहीं है। अलाव जलवाने का जिम्मेदार नगर निगम लकड़ी खरीद की टेंडर प्रक्रिया में ही उलझा हुआ है।

नगर निगम की ओर से लकड़ी की टेंडर प्रक्रिया पूरी न होने के चलते शहर में किन-किन स्थानों पर अलाव जलवाए जाएंगे इसकी जानकारी भी निगम अधिकारियों के पास नहीं है। अलाव की व्यवस्था न होने से सर्द रात में बेघर, मजदूर और राहगीर जगह-जगह भटक कर ठंड से बचाव करते नजर आ रहे हैं।

- पारा लगातार गिरता जा रहा लकड़ी बिना नगर निगम के अलाव पड़े हैं ठंडे

लकड़ी खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया करीब पूर्ण हो चुकी है, बढ़ती ठंड को देखते हुए जो पुरानी लकड़ी स्टोर में उपलब्ध है उससे अलाव जलवाए जाएंगे। इस बाबत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

- संजीव कुमार मौर्य, नगर आयुक्त।

वहीं निगम अधिकारियों का कहना है कि अलाव जलवाने के लिए लकड़ी खरीद की टेंडर प्रक्रिया लगभग पूर्ण कर ली गई है। जल्द प्वाइंट चिह्नित कर अलाव भी जलवाए जाएंगे।

प्रदेश में अयोध्या के बाद बरेली की सबसे ठंडी रही रात

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली में ठंड लगातार बढ़ रही है। अब हल्के कोहरा छाने के साथ धूप का असर भी कम होना शुरू हो गया है। रात के साथ दिन का तापमान भी प्रदेश में अन्य जिलों की अपेक्षा काफी कम रह रहा है। प्रदेश में सोमवार को अयोध्या के बाद बरेली की सबसे ठंडी रात रहीं। वहीं दिन भी बलिया के बाद बरेली में ही सबसे ठंडा रहा।

जिले का न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस कम 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं अधिकतम तापमान सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस कम 22.1 डिग्री सेल्सियस रहा। जिले में पिछले कई दिनों से न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस कम 7 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह रहा है। वहीं अधिकतम तापमान भी 21 से 23 डिग्री के आसपास बना हुआ है। सोमवार को अयोध्या के न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस के बाद बरेली का ही सबसे कम न्यूनतम तापमान रहा। वहीं अधिकतम तापमान की बात करें तो बलिया के 22 डिग्री के बाद सबसे कम बरेली का ही रहा। जिले में सुबह के समय हल्का कोहरा छाया रहा और उसके बाद धूप खिल गई लेकिन दिन में कई बार धूप अचानक गायब हो गई। मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार के अनुसार आने वाले एक सप्ताह तक न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री और अधिकतम तापमान 21 से 22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट भी दर्ज की जा सकती है। सुबह के समय हल्का कोहरा छाया रह सकता है। मंगलवार के बाद बादल छटने की संभावना हैं। इसके बाद आसमान साफ होने के आसार हैं।

गांधी उद्यान में धूप खिलने पर मस्ती करते बच्चे। ● अमृत विचार

- बलिया के बाद दिन का तापमान भी जिले का रहा सबसे कम

यातायात पर असर सतर्कता की अपील

सुबह के समय कोहरा और धुंध के चलते हाईवे और मुख्य मार्गों पर दृश्यता प्रभावित होने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों को सुबह यात्रा के दौरान हेडलाइट के साथ धीमी गति से वाहन चलाने की सलाह दी है।

रैन बसेरे खस्ताहाल, सर्द रात में कांप रहे लोग

बरेली, अमृत विचार : जिले में ठंड ने तेजी पकड़ना आरंभ कर दिया है सुबह धूप खिलने से भले ही लोगों को राहत हो लेकिन रातें सर्द हो रही हैं ऐसे में लोगों के बचाव के लिए शहर में नगर निगम की ओर से शहर में जो स्थायी रैन बसेरे बनाए गए हैं यहां न कंबलों की व्यवस्था, न रजाइयों का इंतजाम और न ही किसी अलाव की व्यवस्था हुई है। अस्थायी रैन बसेरे कब तक निगम बनाएगा, इसकी जानकारी अधिकारियों के पास भी नहीं है। ऐसे में सर्द रात में बेघर, मजदूर और राहगीर जगह-जगह भटकने को मजबूर हैं।

दरअसल, बीते वर्षों में नगर निगम की ओर से अस्थायी रैन बसेरे डेलापीर सब्जी मंडी के सामने, जिला अस्पताल, सेटेलाइट बस स्टैंड, पुराना रोडवेज, चौपला पुल के नीचे और रेलवे जंक्शन पर बनाए जाते हैं। इस वर्ष अभी तक कोई ध्यान ही नहीं दिया गया है। वहीं जो स्थायी रैन बसेरे बने हुए हैं यहां भी कई कमियां है इसकी पुष्टि हाल ही में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य के निरीक्षण में सामने आईं, प्रेमनगर, एलन क्लब सब्जी मंडी और बदायूं रोड पर बने स्थायी रैन बसेरे में गंदगी, बेड पर गद्दे न होने समेत कई अनियमितताएं मिलीं थीं। इनमें सुधार के निर्देश नगर आयुक्त ने दिए थे। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि रैन बसेरों में सुविधाएं चाक चौबंद करने के निर्देश दिए गए हैं। जल्द ही अस्थायी रैन बसेरे बनाने की प्रक्रिया भी आरंभ कराई जाएगी।

- स्थायी रैन बसेरों में सुविधाएं बदहाल, अस्थायी रैन बसेरे बनाने की प्रक्रिया कागजों में

समस्या शहर में बिना परमिट व मनमाने रूट पर दौड़ रहे ऑटो और ई-रिक्शा ई बसों पर पड़े भारी, सवारियों का भी टोटा और जाम का भी बन रहे सबब

ऑटो वालों के नेटवर्क से नहीं परवान चढ़ रही सिटी बस सेवा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शहर में ऑटो और ई-रिक्शा वालों के नेटवर्क के चलते इलेक्ट्रिक बसों की सेवा परवान नहीं चढ़ पा रही है। शहर में दौड़ रहीं सभी 25 इलेक्ट्रिक बसों का लोड फेक्टर भी नहीं निकल रहा है। इन बसों में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए सीसी कैमरे, एसी, अग्निशमन यंत्र, जीपीएस और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था है, लेकिन यात्री इनकी ओर आकर्षित नहीं हो रहे हैं।

परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, करीब साढ़े छह हजार ऑटो के परमिट जारी किए गए हैं और 25 हजार के करीब ई-रिक्शा पंजीकृत हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक ऑटो भी चल रहे हैं। सभी के लिए रूट निर्धारित हैं, लेकिन सड़कों पर इनकी संख्या दोगुना से अधिक है। बीते दिनों देहात में चल रहीं इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शहर में शुरू किया गया था, तब अफसर अधिक कमाई की संभावना जता रहे थे। शुरू के दिनों में सवारियों की संख्या 200 से 225 के बीच रही। अब पहले की अपेक्षा सवारियां भले ही बढ़कर डेढ़ हजार के आसपास पहुंच गई हों, लेकिन यह बसें अब भी ऑटो और ई-रिक्शा वालों की मनमानी से घाटे में चल रही हैं। इनकी मनमानी से शहर की सड़कों पर जाम की समस्या भी आम है।

चौपुला चौराहे पर बेतरतीब खड़े ऑटो और ई-रिक्शा। ● अमृत विचार

- सिटी बसों में यात्रियों की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम फिर भी नहीं चढ़ रहीं सवारियां
- परिवहन निगम के जिम्मेदार अफसर अवैध ऑटो की मनमानी पर अंकुश लगाने को नहीं तैयार

ऑटो के बराबर है इलेक्ट्रिक बसों का किराया

शहर में चलने वाले इलेक्ट्रिक बसों का न्यूनतम किराया 11 रुपये तय किया गया है। दूसरी तरफ ऑटो और टुकटुक वालों का किराया भी 10 रुपये तक है। दोनों के किराये में कोई खास अंतर नहीं होने के बाद भी इलेक्ट्रिक बसों में सवारियां नहीं मिलने पर अफसरों का अपना तर्क है कि अवैध ऑटो और ई-रिक्शा की वजह से सवारियां नहीं मिलती हैं।

शहर में चल रहे देहात परमिट के ऑटो पर समय-समय पर अभियान चलाकर कार्रवाई की जाती है। अगर इसके बाद भी देहात परमिट के ऑटो शहर में चल रहे हैं तो फिर अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

-मो . अकमल खां, एसपी ट्रैफिक

ऑटो और ई-रिक्शा क रूट तय होने के बाद यह किसी भी रूट की सवारियां भरते हैं। इसकी वजह से सवारियों की संख्या पर भी फर्क पड़ता है, जबकि इलेक्ट्रिक बसें ऑटो और ई-रिक्शा के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित और सुविधाजनक हैं। किराया भी अब लगभग समान है। शहर में सभी बसों के 60 स्टॉपेज पर हर 10-15 मिनट में बस उपलब्ध रहती है।

- मनीषा दीक्षित, प्रबंध संचालक सिटी बस सर्विसेज

एबीसी का संचालन अटका, बंदर पकड़ने वाली कंपनी भी भागी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शहर में कुत्तों-बंदरों को पकड़ना अब नगर निगम के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर (एबीसी) के संचालन की प्रक्रिया लंबे समय से अटकी हुई है और अब पूर्व में निर्धारित कंपनी ने भी बंदर पकड़ने से लिखित रूप से मनाही कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग से मिली रिपोर्ट के अनुसार नवंबर के अंत तक कंपनी ने शहर के तमाम वार्डों से करीब एक हजार बंदर पकड़े हैं। कंपनी के जिम्मेदारों का तर्क है कि ठीक से कार्य करने के बाद भी कई बार पार्षदों, अधिकारियों और आमजन की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में कंपनी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को लिखित रूप से कार्य न करने को कह दिया है। इतना ही नहीं बोर्ड बैठक में मंजूरी के बाद भी कुत्ता और बंदर पकड़ने की कार्य योजना का रोस्टर भी अधिकारी नहीं बना पाए हैं। इतना ही नहीं तमाम प्रयासों के बाद भी एबीसी के संचालन के लिए जो कंपनियां सामने आई हैं उनका सत्यापन तक अधूरा है। ऐसे में संचालन में अभी एक माह का समय और लगने की संभावना है।

- कुत्तों और बंदरों को पकड़ना अब नगर निगम के लिए बना चुनौती
- पार्षदों व अफसरों की नाराजगी से आहत होकर छोड़ा ठेका

बच्चे पर हमलावर हुए कुत्ते, लोगों ने बचाया

संजय नगर रोड पर सोमवार को 10 साल के राघव पर अचानक आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। बच्चे की चीख पुकार सुनकर स्थानीय लोगों ने दौड़ कर बच्चे को बचाया। इस पर पूर्व पार्षद ने भी स्वास्थ्य विभाग से शिकायत दर्ज कर निंदा की।

बंदरों और कुत्तों आतंक कम हो इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। बंदर पकड़ने के लिए तीन बार नए सिरे से टेंडर जारी किया, लेकिन कोई भी बिड नहीं आई। वहीं जो कंपनी पूर्व से कार्य कर रही है उसने भी कई तर्क के साथ लिखित रूप से काम करने पर असमर्थता जताई है। एबीसी संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है।

- डॉ . नैन सिंह, उप नगर स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम

हर तरफ से निराश गुप्त रोगी मिलें
SEXOLOGIST
बचपन की गलतियां
आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त
ताकत व रुकावट
प्राप्त करें
शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी
डायबिटीज
मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।
मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीघ्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।
मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।
क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic
YouTube पर Search करें
डा. शेख
भारत प्रसिद्ध
Best Sexologist in india आयुर्वेदा
मिलें हर मंगलवार
ईसाईयों की पुलिया
निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड
बरेली
9837023223

सिटी ब्रीफ

ईओ ने चेकिंग में रात्रि ड्यूटी से मुक्त रखने की मांग की

बरेली, अमृत विचार : भूतत्व एवं खनन विभाग के निदेशक और कमिश्नर के निर्देश पर डीएम अविनाश सिंह ने उत्तराखंड से बिना वैध प्रपत्रों से उप खनिजों को लेकर आने वाले वाहनों का संचालन बंद कराने के लिए बहेड़ी सीमा पर अधिकारियों की रात 8 से सुबह 7 बजे तक चेकिंग में ड्यूटी लगाई है। इसमें बहेड़ी नगर पालिका की ईओ शशि प्रभा चौधरी की भी ड्यूटी लगाई है। ईओ शशि प्रभा चौधरी ने डीएम को पत्र भेजकर रात्रि ड्यूटी से मुक्त रखने की मांग उठाई है। पत्र में ईओ ने कहा है कि उनके दो छोटे बच्चे हैं और घर से दूर रहकर वह यहां नौकरी कर रही हैं। बच्चों की देखभाल करनी होती है। महिला अधिकारी हूं। सहानुभूति विचार करते हुए रात्रि ड्यूटी से मुक्त किया जाए।

महिला की मौत के मामले में पति समेत चार पर रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : महिला की मौत के मामले में सुभाषनगर पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आंवला थाना क्षेत्र के गांव रसूला निवासी उमेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि उसने बहन की शादी सुभाषनगर थाना क्षेत्र के रामचन्द्र पुरम निवासी दिनेश पाठक के साथ की थी। आरोप है कि रविवार को उसकी बहन के साथ मारपीट की गई। जिसके बाद उसे बदायूं रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पति दिनेश पाठक, सतेंद्र पाठक, जितेन्द्र पाठक, सोनम पाठक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बरेली कॉलेज में कर्मचारी की बिगड़ी तबीयत

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज के कर्मचारी आरके सक्सेना की सोमवार को कार्यालय में अचानक तबीयत खराब हो गई और वह बेहोश हो गए। कॉलेज की ओर से तत्काल उनके परिजनों को सूचित किया गया। परिजन उन्हें चिकित्सा सुविधा के लिए अपने साथ ले गए। आरके सक्सेना लंबे समय से बीमार चल रहे हैं और उनकी सप्ताह में दो बार डायलिसिस होती है।

हत्या कर शव फेंकने का ठिकाना बनी बरेली

फेंके गए दर्जन भर से अधिक शवों की नहीं हो सकी पहचान, हत्यारोपियों की गिरफ्तारी भी नहीं हुई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : हत्या करके बच्चे, महिला और युवतियों के शव बरेली में फेंके जा रहे हैं। पुलिस न तो शवों की शिनाख्त करा पा रही है और न ही आरोपियों की गिरफ्तारी। साल 2025 के अंत में हत्या करके शव फेंके जाने के कई मामले सामने आ चुके हैं। 2023 और 2024 में भी कई ऐसे शव मिले, जिनमें ज्यादातर की बेरहमी से हत्या की गई। हत्या के बाद कई शवों के चेहरे भी बिगाड़ दिए गए थे, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सके। हाल ही में फरीदपुर में बोरे में बंद महिला का शव और इज्जतनगर क्षेत्र में संदूक में बच्चे का शव बरामद हुआ था।

महिला और बच्चे के शवों के पोस्टमार्टम में हत्या के बाद शव फेंके जाने की बात सामने आई थी। पहचान नहीं होने पर शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया था। पुलिस का कहना है कि पहचान के लिए जिलों के थानों के साथ ही अन्य जिलों में भी पहचान कराने के प्रयास किए, लेकिन अभी तक दोनों ही शवों की शिनाख्त नहीं हो सकी है। ऐसे में पुलिस की सक्रियता पर भी सवाल उठ रहे है कि आरोपी हत्या करने के बाद आसानी से शवों को जिले में फेंककर फरार हो जा रहे हैं, जबकि शहर में जगह-जगह पर सीसीटीवी कैमरे लगे है। उसके बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

- फरीदपुर में मिली महिला और इज्जतनगर में बच्चे की लाश की भी नहीं हो सकी पहचान
- पहचान के लिए जिले के साथ अन्य जिलों में भी साधा संपर्क नहीं मिली सफलता

8 साल के बच्चे की हत्या कर निकाली आंख

इज्जतनगर थाना क्षेत्र के दिल्ली लखनऊ हाइवे पर 2 दिसंबर को नकटिया नदी किनारे लाल संदूक में **केस 1** 8 साल के बच्चे का शव पड़ा मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया था कि बच्चे की गला दबाकर हत्या करने के बाद आंख भी निकाल ली गई थी। बच्चे की पहचान के लिए पुलिस ने जिले भर के थानों के अलावा अन्य जिलों में भी संपर्क किया था, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें लगी हुई हैं, लेकिन अभी तक सफलता हाथ नहीं लगी है।

बोरे में मिला का शव तेजाब से जलाया चेहरा

फरीदपुर थाना क्षेत्र के बुखारा रोड पर सिमरा बोरीपुर गांव के पास सड़क के किनारे झाड़ियों में 1 दिसंबर को महिला **केस 2** की हत्या कर उसके शव को बोरे में बंद कर नहर किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया। पहचान छिपाने के लिए चेहरा तेजाब से जला दिया गया। शव करीब 10-15 दिन पुराना होने की वजह से उसमें कीड़े भी पड़ गए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसकी शिनाख्त का प्रयास किया, लेकिन कोई भी उसे पहचानता नहीं था। लोगों का कहना था कि महिला की हत्या कहीं और करके शव यहां लाकर फेंका गया है।

महिला के शव की भी पहचान नहीं

फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र में हाईवे के पास रबड़ फैक्ट्री की खाली जमीन पर **केस 3** रविवार को झाड़ियों में महिला का शव पड़ा मिला था। पुलिस ने मौके पर जाकर महिला की शिनाख्त के प्रयास किए थे, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। महिला की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस आसपास के गांव में महिला के फोटो दिखाकर उसकी पहचान कराने में जुटी है।

युवती की हत्या, एक साल बाद भी पहचान नहीं

दिसंबर 2024 में फतेहगंज पूर्वी के टिसुआ में बरेली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग से 100 मीटर दूर युवती की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। **केस 4** आरोपियों ने धारदार हथियार से उसके सिर, माथे व गालों पर छह अन्य प्रहार भी किए, जोकि बर्बरता बयां कर रहे थे। पुलिस की तमाम कोशिशों के बाद भी युवती की शिनाख्त नहीं हो सकी। एसएसपी अनुराग आर्य ने खुलासे के लिए पुलिस टीमों को लगाया था, लेकिन अभी तक घटना का खुलासा नहीं हो सका है।

एक साल से अधिक लेकिन इन मामलों में भी नहीं हो सकी पहचान

2023 और 2024 में चार युवतियों की हत्या के बाद शव फेंके गए थे। इनकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। मरने वाली युवतियां कौन है...? इस बारे में अभी तक पुलिस को कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पहली मामला कैंट थाना क्षेत्र का है, 20 दिसंबर 2023 को नकटिया स्थित जंगल में महिला का शव मिला था। पुलिस की लाख कोशिश के बाद भी उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। इसी तरह दूसरा मामला दूसरा मामला 8 अप्रैल 2024 को सामने आया था। बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में हाईवे किनारे बोरे में युवती का शव मिला था। पुलिस की कोशिश के बाद भी उसके शव की शिनाख्त हो नहीं सकी। हत्या करके शव फेंके जाने का यह सिलसिला यहीं पर नहीं थमा। दोनों हत्याओं की गुत्थी सुलझाने में उलझी पुलिस को इसी बीच एक और शव सीबीगंज थाना क्षेत्र में हाईवे किनारे मिला था। होटल की चादर से युवती के हाथ-पांव बंधे हुए थे। शरीर पर मारपीट के निशान के मौजूद थे, साथ ही दुष्कर्म की भी आशंका जताई गई थी। हैरत की बात यह भी है कि शव होटल की चादर में लिपटा होने के बाद भी पुलिस शिनाख्त नहीं कर पाई।

शादी में आए जीजा को साले ने साथियों के साथ मिलकर पीटा

बरेली, अमृत विचार: शादी समारोह में गए जीजा के साथ साले और उसके साथियों ने मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर थाना बारादरी पुलिस ने शाहजहांपुर के कटरा क्षेत्र के खेरपुर निवासी सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

- विरोध करने पर जान से मारने की दी धमकी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट

कांकर टोला निवासी मोईन खान ने बताया कि 28 नवंबर को वह अपने दोस्त के वलीमे में शामिल होने के लिए पीलीभीत बाईपास स्थित एक बैंक्वेट हॉल में गया था। वह रात में 9 बजे पार्किंग से अपनी बाइक निकाल रहा था, तभी उसके साले शाहनवाज, उवैस, हारुन, गुलरेज और अन्य लोगों ने उसे घेर लिया। उसके बाद वह गालियां देने लगे। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। पीड़ित ने बारादरी पुलिस से शिकायत करके अपनी जान का खतरा बताया है। बारादरी पुलिस ने शाहनवाज, उवैस, हारुन, गुलरेज और तीन अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

ग्राम विकास अधिकारी की परीक्षा साल्वर से दिलवाने वाला गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- जून 2023 में आयोजित की गई थी परीक्षा, साल्वर को मौके से पकड़ा गया था

अमृत विचार: ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा में अपनी जगह साल्वर को बैठाने वाले को बारादरी पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। उसने साल्वर को एक लाख रुपये देकर अपनी जगह परीक्षा में बैठाया था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि 26 जून 2023 को ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा के दौरान जय नारायण इंटर कॉलेज केंद्र में विपिन कुमार निवासी फतैहउल्ला गंज, ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद की जगह पर रतन कुमार निवासी रहुआ थाना जनदहां जिला बैशाली बिहार को अभिलेखों में कूट रचना कर परीक्षा में बैठा पाया गया था। इसके बाद प्रधानाचार्य श्रीरामदेव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने रतन कुमार को गिरफ्तार करके जेल भेजा था।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

विवेचना में विपिन कुमार का नाम सामने आया था। जिसके बाद से ही वह फरार चल रहा था। सोमवार को रुहेलखंड चौकी प्रभारी मनीष कुमार ने आरोपी को सेटेलाइट के पास से गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पढ़ाई में कमजोर था। उसकी मुलाकात व्हाट्सएप पर बिहार के रहने वाले रतन कुमार से हुई थी। रतन ने इंटर के रिकार्ड एवं अन्य अभिलेख में कूट रचना करके उसके स्थान पर ग्राम विकास अधिकारी की परीक्षा के लिए बैठ गया था, लेकिन जांच में वह पकड़ा गया था। उसके बाद से ही वह फरार चल रहा था। उसके जगह पर रतन ने परीक्षा में बैठने के लिए एक लाख रुपये लिए थे।

तीसरी नजर कमजोर

चौपुला चौराहा

पटेल चौराहा

कुतुबखाना रोड

स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने शहर को सुरक्षित रखने के लिए चौराहों पर स्मार्ट सीसीटीवी कैमरे तो लगा दिये, लेकिन इनके रखरखाव की कोई व्यवस्था नहीं की गई। कई स्थानों पर ये कैमरे या तो खराब हो चुके हैं या फिर टूट कर लटक गए हैं और इनकी दिशा ही बदल गई है। पुलिस के ऑपरेशन त्रिनेत्र के आधार इन खराब कैमरों से शहर की निगरानी रामभरोसे है। आपराधिक वारदातों पर नजर रखने और जनता को सुरक्षित माहौल देने के लिए लगाए गए ये कैमरे खुद जिम्मेदारों की नजर-ए-इनायत होने का इंतजार कर रहे हैं। ● फोटो एवं विवरण : मोहित कुमार सिंह

गैंगरेप के विरोध पर गैर इरादतन हत्या में 20 वर्ष कैद

विधि संवाददाता, बरेली

- मुरादाबाद के कांशीनगर निवासी पर कोर्ट ने 56 हजार रुपये का जुर्माना भी डाला
- गैंगरोप में सह आरोपी महिला बरी, एक अन्य आरोपी की पत्रावली अलग हुई

अमृत विचार: युवती को कार कंपनी में नौकरी का झांसा देकर 8 वर्ष पूर्व गैंगरेप करवाने व विरोध करने पर सरिया से मारपीट कर गैर इरादतन हत्या करने के आरोपी मुरादाबाद के थाना मझोला के काशीराम कालोनी निवासी सुधीर कुमार उर्फ सूचित को परीक्षण में दोषी पाते हुए अपर सत्र न्यायाधीश त्वरित न्यायालय अशोक कुमार यादव ने 20 वर्ष कठोर कारावास 56 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी। सहयोग की आरोपी जमीला को बरी कर दिया। एक अन्य आरोपी विपिन के गैर हाजिर रहने के कारण उसकी पत्रावली पृथक विचाराधीन हैं।

सरकारी वकील सुरेश बाबू साहू ने बताया कि पीड़िता की मां ने पुलिस महानिरीक्षक बरेली को तहरीर देकर बताया था कि उसकी पुत्री को 29 नवम्बर 2017 को अनिल कार कम्पनी में 10 हजार रुपये महीने की नौकरी का झांसा देकर अपने साथ बरेली ले आया और उसे कई दिन तक अपने साथ थाना सुभाषनगर क्षेत्र में बंधक बनाकर रखा और उसके साथ दुष्कर्म किया।

बेटी ने विरोध किया तो उसे सरियों से मारा-पीटा तथा बेहोश होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कर छोड़कर भाग गया। जब बेटी को होश आया और उसे पीड़िता के बरेली में होने की जानकारी मिली तो वह वहां पहुंची। पता चला कि वहां कई ऐसी और लड़कियां थीं। वारदात में सुधीर के साथ दो अन्य लोग जिनके नाम विपिन और जमीला हैं, शामिल थे। सुधीर व इसके साथी लड़कियों की खरीद फरोख्त करते हैं। पुलिस ने बंधकर बनाकर गैंगरेप करने, गैर इरादतन हत्या, मारपीट की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना उपरांत आरोप पत्र कोर्ट भेजा था। अभियोजन ने 11 गवाह पेश किये।

नाबालिग लड़की संग दुष्कर्म में दोषी को 7 वर्ष कैद

बरेली, अमृत विचार : नाबालिग लड़की (14) को बहला फुसलाकर 9 वर्ष पूर्व ले जाने के बाद दुष्कर्म करने के आरोपी थाना सुभाषनगर क्षेत्र निवासी महिपाल उर्फ संजू को परीक्षण में दोषी पाते हुए स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट कोर्ट नरेंद्र प्रकाश ने 7 वर्ष कठोर कारावास व 17 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी। वहीं, पीड़िता को ले जाने में सहयोग के आरोपी दो सगे भाई आदेश और जसपाल को बरी कर दिया। सरकारी वकील सुभव कुमार मिश्रा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने थाना सुभाषनगर में तहरीर देकर बताया था कि 12 अप्रैल 2016 को आंवला गया था। घर पर पत्नी व पुत्री थे। रात को वहां रुक गया अगले दिन घर आया तो पत्नी ने बताया कि रात के करीब तीन बजे संजू, पप्पू, जसपाल और आदेश घर में घुस आये। पुत्री का मुंह कपड़े से बांधकर ले जा रहे थे, आहट सुनकर टार्च जलाई तो यह तीनों पत्नी को धक्का देकर लड़की को उठाकर भाग गये, दरवाजा बाहर से बंद कर गये। पुलिस ने बहला-फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना में पीड़िता के दुष्कर्म की बात कबूल करने पर दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी कर महिपाल, आदेश व जसपाल के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट भेजा था। अभियोजन ने 7 गवाह पेश किये।

कार्रवाई : ब्रांडेड कंपनी का लोगो लगाकर नकली जूते बेचने वाले को गिरफ्तार किया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : कीमती जूतों की कॉपी तैयार कर उस पर नामचीन ब्रांड न्यू बैलेंस का नकली लोगों लगाकर बेचने के खेल का पुलिस ने खुलासा किया। संजय नगर स्थित दुकान पर छापा मारकर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में नकली जूते बरामद करने के साथ ही दुकान मालिक को गिरफ्तार किया गया।

न्यू बैलेंस कंपनी के दिल्ली प्रतिनिध की तरफ से शिकायत की गई थी कि उनके ब्रांड के नाम का इस्तेमाल कर जूतों की नकली कॉपी बाजार में बेची जा रही है। इसके बाद बारादरी पुलिस ने कंपनी प्रतिनिधि दिल्ली निवासी अंकित सिंह के साथ संजय नगर में मौजूद निहाल स्पोर्ट्स पर छापामार कार्रवाई के दौरान दुकान के अंदर एनबी कंपनी

पुलिस गिरफ्त में आरोपी और घटना की जानकारी देते अफसर। ● अमृत विचार

- कंपनी की शिकायत पर बारादरी पुलिस ने संजयनगर में दबिश देकर माल किया बरामद

का नकली लोगो लगे अलग-अलग मॉडल के 37 जोड़ी जूते, 8 टीशर्ट, 73 कैरी बैग और डिब्बे बरामद किए। नक्कालों ने डिब्बों तक पर कंपनी का फर्जी लोगो बनवा दिया था। पुलिस ने निहाल स्पोर्ट्स के मालिक निहाल पुत्र असलम मियां निवासी संजय नगर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया। अंकित सिंह ने पुलिस को बताया कि उनकी कंपनी 4 हजार से लेकर 30 हजार रुपये तक कीमत के जूते बनाती है। नकली जूतों का कारोबार करने वाले उनके ब्रांड के जूतों की कॉपी कर हजारों रुपये प्रति जोड़ी कीमत के जूतों को महज 18 से 25 सौ रुपये तक में बेच रहे थे। इसकी वजह से न सिर्फ कंपनी को आर्थिक नुकसान पहुंच रहा था बल्कि कंपनी की छवि भी बजार में धूमिल हुई। फिलहाल, अंकित सिंह की तहरीर पर पुलिस ने कॉपी राइट एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

लोन दिलाने के नाम पर तीन लाख रुपये ठग लिए

बरेली, अमृत विचार: फाइनेंस कंपनी ने लोन दिलाने के बहाने युवक से तीन लाख रुपये ले लिए। जब लोन नहीं हुआ तो युवक ने विरोध किया तो जल्द ही उसके खाते में पैसे ट्रांसफर करने का आश्वासन दिया, लेकिन पैसे नहीं दिए। एसएसपी के आदेश पर थाना इज्जतनगर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

आशुतोष सिटी निवासी गुरुदेव कुमार ने बताया कि उसका संपर्क इथीरियल पीपल ओरिएंटेड प्रालि फाइनेंस के डायरेक्टर नयना माहिदा मनहार सिन्हा और राजेश अवे सिन्हा चावादा से उनके आफिस, 101 प्रथम तल इंदिरा कॉम्प्लेक्स इंदिरा सर्किल माझलपुर रोड, बडोदरा पर फाइनेंस करने पर बात हुई। इन लोगों ने बताया कि एमएसएमई के तहत फर्म बना लो, प्रोजेक्ट रिपोर्ट व चालू खाता खुलवा लो तो हमारी कंपनी आपको फाइनेंस कर देगी। जिसके बाद उसने एक लाख रुपये खर्च करके सभी पत्रावली तैयार कर ली। कंपनी के लोगों ने मौके पर आकर सर्वे भी करके लोन ओके करा दिया। इसके बाद नैयना माहिदा का फोन आया और बताया कि आपका लोन मंजूर हो गया, आप हमारे खाते में तीन लाख रुपये ट्रांसफर कर दो। 24 घंटे बाद आपके खाते में पेमेंट आ जाएगी। उसके बाद उसने 3 लाख रुपये उसके खाते में डाल दिए, लेकिन उसके कई दिन बाद भी फाइनेंस कंपनी ने पेमेंट नहीं डाला।

गूगल से कंपनी का नंबर लेकर मंगाया सीमेंट, छह लाख गंवाए

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पैसे देने के बाद भी नहीं आया सीमेंट, दो लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: एक युवक ने गूगल से सीमेंट कंपनी का नंबर लेकर आठ हजार कट्टे सीमेंट का सौदा तय किया गया लेकिन सीमेंट नहीं आया। आरोप है कि कंपनी के कर्मचारियों ने कई बार में 6 लाख रुपये अपने खाते में डलवा लिए। युवक को अपने साथ ठगी का अहसास हुआ तो एसएसपी से शिकायत कर दी। एसएसपी के आदेश पर थाना बारादरी पुलिस ने दो लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

फरीदपुर के सारीपुर गांव निवासी महेश पाल सिंह ने बताया कि उसकी एसआर कंस्ट्रक्शन पत्नी के नाम से फर्म है। मौजूदा समय में उसकी फर्म जिला सिद्धार्थनगर में पानी की टंकियों का निर्माण करा रही है। जिसके लिए उसे सीमेंट की जरूरत थी। उसने गूगल पर अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी का कांटेक्ट नंबर तलाशा। गूगल से मिले नंबर पर उसने 3 नवंबर को बात की। बात करने वाले ने अपना नाम राकेश कुमार बताया। उसने बताया कि वह कंपनी के मुंबई स्थित हेड कार्यालय से बात कर रहा है। आपसे कुछ देर में नोएडा ब्रांच का दूसरा कर्मचारी बात करेगा। कुछ देर बाद दूसरे युवक का फोन आया कि उसने अपना नाम सुधीर शर्मा बताया। उसने कहा कि वह गौतमबुद्धनगर नोएडा का सीनियर मैनेजर बात कर रहा है। जिसके बाद उसने 8 हजार सीमेंट के कट्टे 245 रुपये प्रति कट्टे के हिसाब से तय कर लिए। जिसकी कुल कीमत 19 लाख 60 हजार रुपये हुई। सीमेंट का कुटेशन 4 नवंबर को उसके मोबाइल पर भेजा गया। पहली गाड़ी में 840 बोरी सीमेंट आने का सौदा तय हुआ, जिसके बाद उसने 2,05,800 रुपये युवक के बताए खाते में डाल दिए। अगले दिन 7 नवंबर को बताया गया कि वेंडर कोड बनाने के लिए सिक्योरिटी के रूप में 1 लाख 31 हजार रुपये और जमा करने होंगे। उसने वह पैसे भी डाल दिए। उसके दो दिन बाद जब सीमेंट नहीं आया तो पूछने पर बताया गया कि चालान नहीं बना है और इसके लिए 2 लाख 94 हजार रुपये और डालने होंगे। 10 नवंबर को उसने 2 लाख 94 हजार रुपये भी डाल दिए। लेकिन फिर भी सीमेंट नहीं आया। युवक की तहरीर पर राकेश कुमार व सुधीर शर्मा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

स्मार्टफोन गुम, खाते से कट गए रुपये

बरेली, अमृत विचार : सीबीगंज के गांव बादशाहनगर निवासी कुलदीप कुमार मौर्य ने बताया कि 30 नवंबर को वह गाजियाबाद स्टेशन से बरेली आ रहे थे। तभी सीबीगंज में किसी जगह पर उसका मोबाइल गुम हो गया। मोबाइल पर ऑनलाइन बैंक खाते जुड़े थे। उसके खाते से तीन बार में 55 हजार रुपये निकाल लिए गए। 1 दिसंबर को खाता चेक किया तो जानकारी हुई। इसकी शिकायत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर की तो करीब 15 हजार रुपये होल्ड हो गए।

युवती ने प्रेमी के बारे में ऑनलाइन मांगी जानकारी, गंवाए 4.51 लाख

बरेली, अमृत विचार : शहर में ठगी का एक अनोखा मामला सामने आया है। एक युवती को अपनी और अपने प्रेमी की जानकारी ऑनलाइन पता करना महंगा पड़ा गया। युवती ने ठग के झांसे में आकर 4.51 लाख रुपये गंवा दिए। युवती ने सुभाषनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सुभाषनगर थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की रहने वाली युवती ने बताया कि उसने एक युवक से ज्योतिषी के माध्यम से प्रेम संबंध विषय पर बात की थी। युवक ने पहले उससे उसकी और उसके प्रेमी की व्यक्तिगत जानकारी ली। उसके बाद पूजा-पाठ के नाम पर 1000 रुपये ले लिए। आरोप है कि उसके बाद वह अलग-अलग कारण बताकर पैसे की मांग बढ़ाता रहा। युवती ने उसकी बातों में आकर कई बार में 4 लाख 51 हजार रुपये डाल दिए। उसके बाद युवती को अपने साथ हुई ठगी का अहसास हुआ। युवती ने जब पैसे देने बंद किए तो वह उसे ब्लैकमेल करके जान से मारने की धमकी देने लगा। युवती ने साइबर क्राइम में शिकायत की जिसके बाद करीब 31 हजार रुपये होल्ड हो गए। दूसरी शिकायत करने पर 5 हजार रुपये होल्ड हो गए। युवती की तहरीर पर सुभाषनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

जिले में सात नई सहकारी समितियों का गठन

बरेली, अमृत विचार : जिले में किसानों को सहकारी समितियों का लाभ दिलाने के उद्देश्य से बहेड़ी तहसील में सात नई बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समितियों का गठन किया गया है। इनमें मंडनपुर शुजाली, भुड़वा, अर्सिया बोझ, पचपेड़ा पश्चिमी, शरीफनगर, मिन्तरपुर और सैदपुर खुर्द शामिल हैं। समितियां के गठन से इस क्षेत्र के ग्रामीणों को खाद, बीच व ऋण आदि की सुविधा के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। सीडीओ देवयानी ने बताया कि इससे पूर्व आंवला तहसील में सात समितियां गठित की जा चुकी हैं। नवगठित समितियों के उन्नयन को शासन से दो लाख की प्रत्येक को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी ताकि समितियां अपना इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार कर सकें।

15 दिसंबर से नामांकन प्रक्रिया, 26 को होगा मतदान

बरेली, अमृत विचार : उप्र राज्य सहकारी समिति निर्वाचन आयोग के आदेश पर उप्र सहकारी ग्राम विकास बैंक में चुनावी बिगुल बज गया है। पहले चरण में शाखा प्रतिनिधि का चुनाव संपन्न होगा। एआर कोआपरेटिव ब्रजेश परिहार ने बताया कि जनपद की 10 शाखाओं में बरेली, मीरगंज, आंवला, भमोरा, फरीदपुर, भुता, भदपुरा, नवाबगंज, दमखोदा और बहेड़ी में शाखा प्रतिनिधियों के निर्वाचन की प्रक्रिया 15 दिसंबर से प्रारंभ होगी। चुनाव 26 दिसंबर को होगा। चुनाव को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं। सभी शाखाओं में शाखा प्रतिनिधियों के निर्वाचन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

पेड़ों में छिप रही स्ट्रीट लाइट की रोशनी

बरेली, अमृत विचार : सेटेलाइट से इन्वर्टिस तिराहा तक लंबे समय बाद सड़क किनारे लगी लाइटें तो जलनी लगी हैं लेकिन कई लाइटों के नीचे पेड़ों की डालें आ गई हैं, इसकी वजह से रोशनी सड़क पर कम ही आ रही है। इसके अलावा सिर्फ एक तरफ की ही लाइटें जल रही हैं और कुछ खराब पड़ी हैं।

सर्वर डाउन होने से ड्राइविंग लाइसेंस बनाने का काम थमा

डीटीआई में दिखी आवेदकों की भीड़, पिछले एक सप्ताह से आवेदक लगा रहे चक्कर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

विकास भवन के पास डीटीआई कार्यालय में लगी आवेदकों की भीड़। ● अमृत विचार

अमृत विचार : आरटीओ (क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय) में सर्वर डाउन होने से ड्राइविंग लाइसेंस बनाने काम प्रभावित हो रहा है। सर्वर अपडेट होने की वजह से यह समस्या पिछले सप्ताह दिन से चल रही है। शुक्रवार को सर्वर में दिक्कत रही। शनिवार दोपहर बाद सर्वर पूरी तरह बंद हो गया। सोमवार को सुबह में कुछ समय के लिए सर्वर चलने के बाद दोपहर बाद फिर बैठ गया। इसके चलते न तो डीएल के लिए फोटो खिंच पाए और न ही लाइसेंस का काम आगे बढ़ पाया। घंटों आवेदकों की कार्यालय में लाइन लगी रही और उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा।

आरटीओ में प्रतिदिन 99 लाइसेंस रिन्यूवल और 250 लाइसेंस स्थाई बनाए जाते हैं। सर्वर डाउन होने ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े काम अटके हैं। इससे आवेदकों के साथ अफसर और कर्मी भी परेशान हैं। उनका कहना है दिन में कई बार सर्वर चलता भी है तो उसकी धीमी गति से प्रक्रिया पूरी होने में अधिक समय लगता है। जिस कारण आवेदक को परेशान होना पड़ता है। डीटीआई कार्यालय में सुबह करीब 11 बजे ही सर्वर ठप हो गया। ऐसे में लाइसेंस रिन्युअल कराने और स्थाई लाइसेंस बनवाने वालों की भीड़ लगी रही, लेकिन काम नहीं हुआ। दोपहर में कुछ देर के लिए सर्वर दुरूस्त हुआ। इसके बाद ड्राइविंग लाइसेंस रिन्युअल और स्थाई लाइसेंस बनाने का कार्य जैसे ही शुरू किया गया, उसके चंद मिनट बाद सर्वर फिर धीमा हो गया। एआरटीओ डॉ. पीके सरोज का कहना है कि इंटरनेट कार्य नहीं करने की वजह से सर्वर की समस्या रही है। पिछले सप्ताह से ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े मामलों की पेंडेंसी भी बढ़ गई। सर्वर की यह समस्या बरेली ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में बनी हुई।

परेशान हुए आवेदक

डीटीआई कार्यालय में मिले राजेंद्र, विनोद आदि ने बताया कि ऑनलाइन स्लाट बुक करने के बाद भी परेशानी हो रही है। उन्हें जहां ऑफिस के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। वहीं, दो से तीन तीन बार चक्कर लगाने के बाद भी सर्वर न चलने पर उनको लौटना पड़ता है। राजेंद्र ने बताया कि दो बार वह पहले आ चुके हैं। कर्मचारियों ने बताया था कि सोमवार को सर्वर ठीक हो जाएगा, लेकिन स्थिति जस की तस है।

अब 60 साल होते ही खाते में पहुंचने लगेगी पेंशन

बरेली, अमृत विचार: वृद्धावस्था पेंशन के लिए पात्रों की पहचान और सत्यापन अब फैमिली आइडी ''एक परिवार एक पहचान'' प्रणाली के माध्यम से स्वतः किया जाएगा। इससे किसी भी पात्र व्यक्ति के 60 वर्ष का होते ही उसकी पेंशन खाते में पहुंचना शुरू हो जाएगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर का बताया कि पहले चरण में अमेठी, कासगंज, गोरखपुर समेत कुछ जिलों में इस व्यवस्था को पायलट आधार पर लागू किया जा रहा है। इसके बाद बाकी बचे सभी जिलों में इसे लागू किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव समाज कल्याण एल. वेंकटेश्वर लू ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अभी वृद्धजन को पेंशन शुरू कराने के लिए विभाग में आवेदन करना पड़ता था, जिसके बाद दस्तावेजों का सत्यापन होता था। इस प्रक्रिया में कई बार बुजुर्गों को विभागीय चक्कर लगाने पड़ते थे। नई व्यवस्था से यह परेशानी खत्म हो जाएगी।

रुविवि: मेंटल हेल्थ सर्वे का प्रपत्र जल्द भरवाएं

बरेली, अमृत विचार : मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की ओर से दिए गए आदेशों के अनुपालन में एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने संबद्ध महाविद्यालयों के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने सोमवार को मानसिक स्वास्थ्य, सेवाओं से संबंधित सर्वेक्षण का पत्र जारी करते हुए स्पष्ट किया कि सभी कॉलेज अपने विद्यार्थियों, शिक्षकों व विद्यार्थियों के अभिभावकों से पोर्टल पर उपलब्ध मेंटल हेल्थ सर्वे का प्रपत्र जल्द भरवाना सुनिश्चित करें।

कुलपति ने महाविद्यालयों को चेतावनी दी है कि सर्वेक्षण की अनदेखी या देरी को गंभीर अनुशासनहीनता माना जाएगा और इसके लिए संबंधित संस्थानों के खिलाफ आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। कुलसचिव हरीश चंद ने सभी कॉलेजों को निर्देशित किया है कि वे तत्काल

- सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर रुविवि ने संबद्ध कॉलेजों को लिखा पत्र
- मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण को लेकर विश्वविद्यालय का सख्त रुख

प्रभाव से अपनी टीमें गठित करें। छात्रों के वाट्सएप ग्रुप, कॉलेज पोर्टल और नोटिस बोर्ड के माध्यम से जानकारी प्रसारित करें। यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक छात्र, शिक्षक और अभिभावक सर्वेक्षण फॉर्म भरने को लेकर निर्देशित किया है।

आईजीआरएस में प्रदेश में बरेली की चौथी रैंक

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- नवंबर माह की रैंकिंग सोमवार को जारी की गई, अक्टूबर माह में 5 वीं रैंक थी

अमृत विचार: आईजीआरएस रैंकिंग में बरेली की प्रदेश में चौथी रैंक आई है। एसआईआर अभियान में ड्यूटी लगने के बावजूद सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने आईजीआरएस में बेहतर कार्य किया है। शासन स्तर से सोमवार को नवंबर माह की रैंकिंग जारी की गयी।

जनसुनवाई रैंकिंग में अक्टूबर माह बरेली को 5वीं रैंक प्राप्त हुई थी, इसकी तुलना में एक अंक बरेली ने उछाल मारी है। तहसीलवार रैंकिंग में भी बरेली जनपद की विभिन्न तहसीलों ने मिश्रित प्रदर्शन किया है। तहसील बहेड़ी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में प्रथम रैंक प्राप्त किया है। वहीं तहसील नवाबगंज और सदर को 42वीं, आंवला को 74वीं, मीरगंज को 89वीं और फरीदपुर को 176 वीं रैंक प्राप्त हुई है। फरीदपुर तहसील की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है।

डीएम अविनाश सिंह ने कहा है कि प्रदेश में चौथी रैंक मिलना जनपद प्रशासन की जनसुनवाई प्रणाली में सुधार और जन समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में की गई प्रभावी कार्यवाही को दर्शाता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम पीएलवी के लिए ज्ञानवर्धक : जिला जज

विधि संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से सोमवार को प्रशिक्षण कार्यक्रम 'संवर्धन' का आयोजन अर्बन हाट के ऑडिटोरियम में हुआ। जिसका शुभारंभ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष/जिला जज प्रदीप कुमार सिंह ने किया।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम पीएलवी के लिए बहुत ज्ञानवर्धक और लाभकारी सिद्ध होगा। एडीजे/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव उमा शंकर कहार ने मानव तस्करी की रोकथाम के लिए किए जाने वाले प्रयासों, पॉक्सो एक्ट-2012 के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. आलोक शुक्ला ने मानसिक रोगों और रोगियों की सहायता के संबंध में अवगत कराया। पराविधिक स्वयं सेवक सुधीर उपाध्याय ने माता-पिता वरिष्ठ नागरिक कल्याण अधिनियम 2007 विषय पर व्याख्यान दिया।

बेस्ट पीएलवी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते जिला जज प्रदीप कुमार सिंह।

- पराविधिक स्वयं सेवकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संवर्धन में दिए महत्वपूर्ण टिप्स
- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया आयोजन, बेस्ट पीएलवी को सम्मानित किया

जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा ने निराश्रित महिला पेंशन योजना, बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना आदि के बारे जानकारी दी। वन स्टाप सेंटर प्रबंधक चंचल गंगवार ने वन स्टाप सेंटर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। कार्यक्रम में हरदोई के अपर जिला जज भूपेन्द्र प्रताप, पीलीभीत के अपर जिला जज सुनील कुमार द्वितीय एवं शाहजहांपुर के अपर जिला जज ओम प्रकाश मिश्रा सहित बरेली के अपर जिला जज/प्राधिकरण सचिव उमाशंकर कहार सहित 176 परा विधिक स्वयंसेवकों (अधिकार मित्रों) ने प्रतिभाग किया। राम दत्त, विनीत कुमार सक्सेना, बालेश कुमार मिश्रा, नेहा, सत्यपाल आदि ने भी विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। समापन पर शाहजहांपुर के अफजल ने देश भक्ति का गीत 'जिंदगी मौत न बन जाए, संभालो यारों' सुना कर मंत्रमुग्ध कर दिया। प्राधिकरण सचिव उमा शंकर कहार ने आभार व्यक्त किया। संचालन सय्यद समीर अहमद ने किया। कार्यक्रम में हर जिले से बेस्ट दो पीएलवी चुने गए। जिन्हें जिला जज ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल पीएलवी।

सिटी डायरी

174 वार्डेंस और स्वयंसेवकों ने किया रक्तदान

बरेली, अमृत विचार : नागरिक सुरक्षा कोर (सिविल डिफेंस) ने अपने कोर की स्थापना के उपलक्ष्य में आयोजित चार दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कार्यालय में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसमें 174 वार्डेंस व स्वयं सेवकों ने रक्तदान किया। अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह ने रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने रक्तदान करने वाले वार्डेंस व स्वयं सेवकों की प्रशंसा करते हुए हौसला बढ़ाया। सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। उपनियंत्रक नागरिक सुरक्षा राकेश मिश्र ने डिप्टी चीफ वॉर्डन रंजीत वशिष्ठ, सहायक उप नियंत्रक पंकज कुदेशिया, प्रमोद डागर के साथ प्रत्येक डोनर से उनका हाल चाल जाना। सिविल लाइंस डिवीजन के डिवीजनल वार्डन दिनेश, डिविजनल वार्डन बारादरी संजय पाठक, डिवीजनल वार्डन शिवलेश चंद्र पाण्डेय ने टीम के वार्डेंस से रक्तदान कराया। अलखनाथ डिवीजन से गीता शर्मा, शंकर शर्मा, हरीश भल्ला, डिप्टी डिविजनल वार्डन कलीम हैदर सैफी, कंवलजीत सिंह, अनिल शर्मा, जगदीश प्रसाद, कमलेश वर्मा का सहयोग रहा। आलोक शंखधर, सुनील यादव, दीप्तांशु दीक्षित, असद जैदी, बृजेश पांडेय, रिजवान नियाजी, नीतू द्विवेदी, जगतपाल, श्रीप्रेमपाल, खालिद खां, सुनील गुप्ता, प्रशांत, भूपेंद्र आदि मौजूद रहे।

एसआईआर को लेकर शास्त्री नगर में घर-घर किया संपर्क

बरेली, अमृत विचार : मुख्यमंत्री के निर्देश मिलने के बाद भाजपा महानगर की टीम ने सोमवार को एसआईआर अभियान के तहत शास्त्री नगर में घर-घर संपर्क किया। महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना ने लोगों से गणना प्रपत्र जमा करने के संबंध में जानकारी ली और जिन लोगों ने एसआईआर फार्म जमा नहीं किया तो उन्हें इसके फायदे बताते हुए फार्म बीएलओ के पास जमा करने को लेकर जागरूक किया। मतदाताओं से कहा, जिनके गणना फॉर्म किसी कारणवश अभी जमा नहीं हो पाए हैं, उनसे अपने फार्म पूर्ण कर शीघ्र जमा करने का आग्रह किया। इस अवसर पर दुष्यंत गंगवार, मंडल अध्यक्ष बृजेश प्रताप सिंह, महामंत्री कौशिक गंगवार, शेखर वाल्मीकि, विनोद राजपूत उपस्थित रहे।

एएससी की 265 किमी साइकिल रैली दिल्ली में संपन्न

बरेली, अमृत विचार : बरेली की 883 एनिमल ट्रांसपोर्ट बटालियन से शुरू हुई आर्मी सर्विस कॉर्प्स (एएससी) की 265 किलोमीटर लंबी साइकिल रैली सोमवार को दिल्ली कैंट में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। चार दिवसीय रैली एएससी के 265वें कोर डे को समर्पित थी। फ्लैग-इन समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल मुकेश चड्ढा, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, डीजीएसटी सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, वेटरंस और जवान मौजूद रहे। सभी ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। रैली का उद्देश्य स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना, सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और भारतीय सेना की सबसे पुरानी सपोर्ट आर्म्स में से एक की गौरवशाली विरासत को पुन: स्मरण करना था। रैली 5 दिसंबर को बरेली से शुरू हुई। इसके बाद दल ने जूनियर लीडरशिप अकादमी बरेली परिसर से होते हुए आगे बढ़कर स्कूल के समृद्ध इतिहास को सलाम किया। एएससी स्कूल की स्थापना 1908 में चकला में हुई थी और कई स्थानांतरणों के बाद 1947 में यह बरेली पहुंचा था, जहां 52 वर्षों तक इसका संचालन हुआ। 1999 में स्कूल स्थायी रूप से बेंगलुरु स्थानांतरित हो गया। साइकिल टीम ने बरेली, मुरादाबाद, बाबूगढ़, दिल्ली कैंट मार्ग तय किया और रास्ते में फिटनेस, अनुशासन व रोड सेफ्टी को लेकर जागरूकता फैलाई। सोमवार सुबह दिल्ली कैंट स्थित वार मेमोरियल पर श्रद्धांजलि देने के बाद रैली का औपचारिक समापन हुआ।

एसआईआर: 99.11 प्रतिशत कार्य पूरा

बरेली, अमृत विचार: विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के सत्यापन के लिए कराए जा रहे एसआईआर के अंतर्गत बरेली में ओवरआल 99.11 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया। जिला निर्वाचन कार्यालय की रिपोर्ट के अनुसार जिले के 34,05,820 मतदाताओं में से 33,75,445 मतदाताओं का सत्यापन कार्य पूरा किया जा चुका है लेकिन इसमें से 26,57,587 मतदाताओं के गणना प्रपत्र ऑनलाइन फीड किए जा चुके हैं। 78.03 प्रतिशत ईएफएस डिजिटाइज्ड हो चुका है। जिला निर्वाचन कार्यालय की रिपोर्ट में बताया गया है कि अब तक 7,48,233 फार्म डिजिटाइज्ड नहीं हुए हैं। 910 बीएलओ ने शत प्रतिशत कार्य पूरा किया है। सत्यापन के दौरान 1,13,693 मतदाताओं की मृत्यु होने की जानकारी सामने आई और 2,44,701 मतदाता अनुपस्थित हैं। उनके बारे में जानकारी नहीं मिल रही है। 2,87,549 मतदाता शिफ्ट हो चुके हैं, जबकि 55761 मतदाता पहले से इनरॉल्ड हो चुके हैं। अन्य कारणों से 16,154 मतदाता मिसिंग हैं।

बैंक यूनियंस की बैठक में देशव्यापी आंदोलन पर चर्चा

बैंक यूनियंस की बैठक में शामिल पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस की बैठक सोमवार को यूनियन कार्यालय में पीके माहेश्वरी की अध्यक्षता में हुई। जिसमें देशव्यापी आंदोलन बरेली में आयोजित करने को लेकर चर्चा हुई। यूनाटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस जिला मंत्री नवींद्र कुमार ने कहा कि सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को ज्ञापन की प्रति भेजी जा रही है, जिसे 9 दिसंबर को आईबीए चेयरमैन और 12 दिसंबर को वित्तमंत्री के लिए भेजा जाएगा। सभी से अनुरोध है कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करें।

बरेली ट्रेड यूनियन फेडरेशन के महामंत्री संजीव मेहरोत्रा ने कहा कि जल्द ही यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस बरेली की मीटिंग फिर बुलाई जाएगी, जिसमें सभी घटकों की उपस्थिति होगी। बैठक में सुनील मित्तल, विकास कुमार, महेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

इचौरिया के बूथ पर सुपरवाइजर पर हमला, एसआईआर के फार्म फाड़े

कार्यालय संवाददाता, बरेली

फाड़े गए एसआईआर के फार्म।

- भूमि विवाद में तीन लोगों ने संग्रह अमीन पर किया हमला, जान से मारने की धमकी दी
- बीएलओ ने बचाया, संग्रह अमीन ने तीन आरोपियों पर कैंट थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार: बिथरी चैनपुर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची को दुरुस्त कराने के लिए एसआईआर कार्य में तैनात सुपरवाइजर विनीत कुमार सिंह पर गांव इचौरिया के बूथ पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। वह एसआईआर के फार्म बीएलओ के पास जमा करने के लिए बूथ पर पहुंचे थे। हमलावरों ने जान से मारने की धमकी देते हुए मतदाताओं के भरे हुए गणना प्रपत्र फाड़ दिए। दो मतदाताओं के फार्म फट गए, जबकि 16-17 फार्म सुरक्षित बच गए। बीएलओ के विरोध करने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। सुपरवाइजर ने कैंट थाने में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कैंट के गांव क्यारा निवासी सदर तहसील के संग्रह अमीन विनीत कुमार सिंह वर्तमान में एसआईआर कार्य में बतौर सुपरवाइजर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई कि कुछ लोग उसकी भूमि पर कब्जा करना चाहते हैं। इसका विवाद चल रहा है। 2 दिसंबर की दोपहर करीब 2 बजे एईआरओ ने बूथ नंबर 213 ग्राम इचौरिया (बभिया) के एसआईआर के फार्म बीएलओ को देने के लिए दिये थे। उन फार्म को लेकर वह बूथ नंबर 213 पर पहुंचे तभी सौरभ पुत्र अक्कू, चन्द्र पाल पुत्र मुंशी लाल और एक अज्ञात व्यक्ति ने उससे जबरन एसआईआर के फार्म छीनकर फाड़ दिये और धक्का-मुक्की कर गालीगलौज कर हमला कर दिया। धमकी दी कि अगर दोबारा गांव के आसपास भी दिखाई दिया तो जान से मार देंगे। मौके पर मौजूद बीएलओ गौरव पाराशरी ने आरोपियों से बमुश्किल बचाया। आरोपी दबंग व आपराधिक प्रवृति के लोग हैं। वहीं जिन दो मतदाताओं के फार्म फट गए, उन्हें दोबारा से एसआईआर फार्म दिए जाएंगे ताकि उनके फार्म जमा कराए जा सकें। घटना का उच्चाधिकारियों ने भी संज्ञान लिया है।

नाक, कान व गला रोग विशेषज्ञ

डा. आरिफ हुसैन अन्सारी

M.B.B.S., M.S.

• Ex. Chief Resident-Sir J.J. Hospital Grant Medical College Mumbai

मिलने का समय

(सोमवार से शनिवार)

सुबह : 11 बजे से 3 बजे तक

शाम : 8 बजे से 9 बजे तक

नाक, कान व गला की एन्डोस्कोपी फ्री

सुविधायें

• नाक की टेढ़ी हड्डी को सही करना (Septoplasty)

• गले के बढ़े हुये टॉन्सिल का ऑपरेशन

• कान के फटे हुए पर्दे का ऑपरेशन (Tympanoplasty)

• थायराइड (घेंघा) का इलाज व ऑपरेशन

• दूरबीन द्वारा गले के कैंसर की जाँच व बायोप्सी

पता- बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, मालियों की पुलिया, बरेली

(सेटेलाईट बस अड्डा व शाहमतगंज चौराहे के बीच में)

सम्पर्क करें

94566 58250, 70785 69786

शहर में आज

- उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में बिशप मंडल इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित खादी एवं स्वावलंबन उत्सव में राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान ट्रस्ट की ओर से म्यूजिकल नाइट एक शाम धर्मेंद्र के नाम शाम 5 :00 बजे से।
- दो दिवसीय विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन डोरी लाल स्पोर्ट्स स्टेडियम में सुबह 10 :00 बजे से।
- बरेली कॉलेज में अंतरमहाविद्यालयी प्रतियोगिता के लिए योग और शतरंज प्रतियोगिता का ट्रायल सुबह 11 बजे।
- मनोहर भूषण इंटर कॉलेज में मानवाधिकार संरक्षण एवं विकास फाउंडेशन की ओर से मानवाधिकार दिवस पर कार्यक्रम सुबह 9 .15 बजे।

ललित कला विभागाध्यक्ष बने प्रो. आनंद लखटकिया

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज के ललित कला विभाग के नए विभागाध्यक्ष के रूप में प्रो. आनंद लखटकिया की नियुक्ति हुई। विभागाध्यक्ष प्रो. पंपा गौतम की सेवानिवृत्ति के बाद प्रो. आनंद लखटकिया को पदभार सौंपा गया। प्राचार्य प्रो. ओपी राय ने नवनियुक्त विभागाध्यक्ष को भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

फुटबॉल, कबड्डी, बास्केटबॉल में छात्रों ने दिखाया दमखम

- आईवीआरआई के स्थापना दिवस पर दूसरे दिन भी हुईं प्रतियोगिताएं
- साइकिल रेस व डिस्कस थ्रो में भी प्रतिभागियों ने बढ़कर लिया हिस्सा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: आईवीआरआई में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन प्रतिभागियों ने उत्साह, जोश और खेलभावना के साथ विभिन्न इवेंट्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। डिस्कस थ्रो में छात्रा वर्ग में ऋषिका अग्रवाल ने पहला, सोनम डक्कर ने दूसरा और धरनी ने तीसरा और छात्र वर्ग में महेन्द्र चौधरी ने पहला, वरुण शर्मा ने दूसरा और अबिन जॉय तीसरा और स्टाफ महिला वर्ग में लक्ष्मी शुक्ला ने पहला, लक्ष्मी देवी ने दूसरा और रिंकी पटेल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

आईवीआरआई में लंबी कूद में भाग लेती महिला खिलाड़ी। ● अमृत विचार

साइकिल रेस में छात्र वर्ग नितेश कुमार पहले, जतिन दूसरे और पप्पू कुमार तीसरे, स्टाफ वर्ग में महेश कुमार सिंह पहले, अश्विनी कुमार दूसरे और जाबिर खान तीसरे स्थान पर रहे। हाई जंप में स्टाफ वर्ग में सबापथी एन ने पहला, अजय दास ने दूसरा और अजय पटेल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा टीम इवेंट्स में फुटबॉल, कबड्डी, बास्केटबॉल, क्रिकेट और वालीबॉल में छात्र टीम ने स्टाफ टीम को हराकर जीत हासिल की। वहीं वालीबॉल (शूटिंग) और वालीबॉल (स्मैशिंग) में स्टाफ टीम ने जीत हासिल की। संस्थान आयोजकों ने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए खेलकूद गतिविधियों को आगे भी निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। संस्थान के निदेशक डा. त्रिवेणी दत्त ने कहा कि खेलकूद गतिविधियों से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

पुरुष वर्ग साइकिल रेस में भाग लेते प्रतिभागी। ● अमृत विचार

अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिता के ट्रायल आज

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालयीय पुरुष योग, पुरुष व महिला शंतरज प्रतियोगिता ठाकुर रोशन सिंह राजकीय महाविद्यालय, कटरा शाहजहांपुर में 11 दिसंबर को होगी। एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय कैंपस में 19 से 21 दिसंबर तक किया जाएगा। बरेली कॉलेज की योग व शतरंज प्रतियोगिता की टीम के लिए चयन 9 दिसंबर को सुबह 11 बजे कॉलेज में होंगे। एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए ट्रायल 13 दिसंबर को विश्वविद्यालय कैंपस में होंगे। क्रीड़ा सचिव विवेक डागर ने बताया कि एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए 12 दिसंबर तक अपने इवेंट विभाग में नोट करा दें। एक खिलाड़ी दो ही इवेंट में भाग ले सकता है।

सिटी ब्रीफ

रुविवि ने 21 नए शोध सुपरवाइजर नियुक्त

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय के शोध निदेशालय ने 21 नए शोध सुपरवाइजर नियुक्त किए हैं। इनकी सूची शोध निदेशालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। जंतु या प्राणी विज्ञान में पांच, रसायन विज्ञान में तीन, अंग्रेजी में तीन, शिक्षा में एक, सीएसआईटी में एक, वाणिज्य में 1, भूगोल में 1, हिंदी में तीन, सैन्य अध्ययन में एक, वनस्पति विज्ञान या पादप विज्ञान में एक, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में एक शोध सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। इनमें आईवीआरआई समेत कई अन्य संस्थानों के बाहरी पर्यवेक्षक भी बनाए गए हैं।

पर्यावरण विभाग करेगा 40 पौधों का रोपण

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज के पर्यावरण विभाग में मंगलवार को बीएससी के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए सीनियर की ओर से स्वागत कार्यक्रम किया जाएगा। इसके तहत हॉकी मैदान में 40 पौधों का रोपण किया जाएगा। एक पौधे के संरक्षण की जिम्मेदारी दो छात्रों को दी जाएगी। विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है।

कूच बिहार ट्रॉफी : 16 से यूपी और पश्चिम बंगाल के बीच होगा मैच

बरेली को तीसरी बार मेजबानी, एसआरएमएस क्रिकेट मैदान पर 19 दिसंबर तक होगा मैच

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली को बीसीसीआई की कूच बिहार ट्रॉफी के मैच की तीसरी बार मेजबानी मिली है। श्रीराम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी स्थित श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में 16 से 19 दिसंबर के बीच उत्तर प्रदेश और बंगाल की टीमों के बीच अंडर-19 क्रिकेट मैच होगा। जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में चल रही हैं।

कूच बिहार ट्रॉफी अंडर-19 के बारे में जानकारी देते आदित्य मूर्ति व अन्य।

बरेली क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) की ओर से सिविल लाइंस स्थित एक होटल में सोमवार को प्रेसवार्ता में सचिव सीताराम सक्सेना ने बताया कि जिले की क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारने के लिए एसोसिएशन लगातार कैंप और प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है। एसआरएमएस के सहयोग और आदित्य मूर्ति के मार्गदर्शन में हाल ही में पहली बार टी-20 प्राइज मनी वुमन क्रिकेट टूर्नामेंट भी हुआ। इसके अलावा बीसीए पहले भी दो बार कूच बिहार ट्रॉफी मैच सफलतापूर्वक आयोजित कर चुका है। बीसीसीआई और यूपीसीए अधिकारियों ने स्टेडियम का निरीक्षण कर सुविधाओं को मानकों के अनुरूप पाया, जिसके बाद आयोजन की जिम्मेदारी दोबारा दी गई।

एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव और बीसीए संरक्षक आदित्य मूर्ति ने कहा कि बरेली में तीसरी बार कूच बिहार ट्रॉफी के मैच का आयोजन होना शहरवासियों के लिए गर्व की बात है। इससे पहले 2022 और 2024 में यहां उत्तर प्रदेश की टीम के दो मैच सफलतापूर्वक कराए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय सुविधाएं, स्तरीय पिच, हॉस्पिटेलिटी और टीमवर्क की वजह से ही यह संभव हो पाया है। आदित्य मूर्ति ने बताया कि एसआरएमएस ट्रस्ट 2014 से क्रिकेट एकेडमी भी चला रहा है, जहां से कई खिलाड़ी राज्य स्तरीय टीमों में चयनित हुए हैं। मैच के लिए आयोजन समिति बनाई जा चुकी है। दोनों टीमें 14 दिसंबर को बरेली पहुंचेंगी और 15 दिसंबर को प्रैक्टिस सत्र होगा। 16 दिसंबर को सुबह 9 बजे मैच की शुरुआत होगी। इस अवसर पर बीसीए उपाध्यक्ष राजेंद्र मनोहर शर्मा, आर्गनाइजिंग प्रेसीडेंट एवं प्रिंसिपल एसआरएमएस सीईटी डॉ. प्रभाकर गुप्ता, ओपी कोहली, शहजाद अली, राहुल कपूर, चंचल उपाध्याय, राकेश शर्मा और मनीष सिंह मौजूद रहे।

- बरेली क्रिकेट एसोसिएशन ने प्रेसवार्ता में कहा तैयारियां अंतिम चरण में

यूपी की टीम

उत्तर प्रदेश की टीम में कप्तान भव्य गोयल, आयान अकरम, अनमोल नौसरन, कैफ रहमान, भवी शर्मा, कार्तिकेय सिंह, राहुल, दक्ष चंदेल, के कृष्णा, यश पंवार, रवि सैनी।

बंगाल की टीम

बंगाल की टीम में कप्तान चंद्रहास दास, आदित्य रॉय, अतमाजा मोंडल, सायान पॉल, आशुतोष कुमार, अगस्त्य शुक्ला, अभिप्रिय विश्वा, सचिन यादव, रोहित, रोहित कुमार दास, शिवम भारती शामिल हैं।

अमित व अंश के प्रदर्शन से जीती रवींद्रनाथ टैगोर अकादमी

बरेली, अमृत विचार : रवींद्रनाथ टैगोर क्रिकेट अकादमी की ओर से आयोजित रवींद्रनाथ टैगोर कप अंडर-14 में सोमवार को रवींद्रनाथ क्रिकेट अकादमी ने न्यू जेनरेशन क्रिकेट अकादमी को आठ विकेट से हराकर विजयी शुरुआत की।

मैच में टॉस जीतकर न्यू जेनरेशन की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम निर्धारित 40 ओवरों में 72 रन बनाकर ही ऑलआउट हो गई। टीम के लिए शिव वर्मा और प्रिंस दिवाकर ने 10-10 रनों का योगदान दिया। रवींद्रनाथ टैगोर की ओर से अमित यादव ने सर्वाधिक 4 विकेट और अंश यादव ने 3 विकेट हासिल किये। टैगोर अकादमी ने लक्ष्य को 12 ओवर में हासिल करके मैच को आठ विकेट से अपने नाम कर लिया। टीम के लिए आयुष सैनी ने नाबाद 43 रनों की पारी खेली। हर्ष प्रताप ने 13 और यश ने 12 रनों का योगदान दिया। न्यू जेनरेशन की ओर से असद और अरुण ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार अमित यादव को दिया गया। मैच में अंपायर मनोज यादव और अभिजीत तोमर रहे। टूर्नामेंट सचिव मनीष सिंह बताया कि मंगलवार को एसआरएमएस जूनियर और कोर्सेज क्रिकेट अकादमी के मध्य मैच खेला जाएगा।

स्नातक विषम सेमेस्टर की 314 केंद्रों पर परीक्षा कल से

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय की स्नातक तृतीय और पंचम सेमेस्टर की परीक्षा 10 दिसंबर से शुरू होगी। इसके लिए विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा के लिए 314 केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 41 केंद्र बरेली जिले में बनाए गए हैं, जिसमें सबसे बड़ा केंद्र बरेली कॉलेज है। यहां छह महाविद्यालयों के 13646 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इसमें बरेली कॉलेज के ही 12330 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे, जिसमें 5428 छात्र और 6902 छात्राएं हैं।

विश्वविद्यालय ने परीक्षा सकुशल संपन्न कराने के लिए शासन के निर्देश पर 33 महाविद्यालयों को नोडल सेंटर बनाया है, जिसमें छह सेंटर बरेली जिले में बनाए गए हैं।

बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए और बीएससी गृह विज्ञान तृतीय और पंचम सेमेस्टर की परीक्षा के दौरान 25 से 31 दिसंबर तक 7 दिन का शीतकालीन अवकाश भी होगा। इसकी वजह से परीक्षा 29 जनवरी तक होगी। इस बार परीक्षा रविवार को भी कराई जाएगी। परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार ने महाविद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय की ओर से गोपनीय पत्राचार प्राप्त करने के लिए नोडल केंद्र बनाए गए हैं। बरेली जिले में बरेली कॉलेज, गन्ना उत्पादक महाविद्यालय बहेड़ी, खंडेलवाल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी, राजेंद्र प्रसाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मीरगंज, राजकीय महाविद्यालय फरीदपुर और डॉ. राममनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय आंवला को केंद्र बनाया गया है। परीक्षा केंद्रों को परीक्षा समाप्त होने के बाद शाम 5 बजे तक उत्तर पुस्तिकाओं को सील्ड लिफाफे में शाम 5 बजे तक नोडल केंद्र में पहुंचाना होगा।

- रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने 33 नोडल केंद्र बनाए, प्रवेश पत्र भी जारी

सिटी डायरी

रुविवि में सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं की शृंखला रिदम का शुभारंभ

बरेली, अमृत विचार : महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक केंद्र की ओर से 5 दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं की शृंखला रिदम का सोमवार को शुभारंभ किया गया। पहले दिन एकल गायन और कार्टूनिंग की प्रतियोगिताएं हुईं। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने शास्त्रीय संगीत से लेकर लोक संगीत की विविध विधाओं में अपनी कला का प्रदर्शन किया। रिदम का आयोजन कुलपति प्रो. केपी सिंह के संरक्षण में हुआ। प्रतियोगिता के लिए निर्णायक मंडल में डॉ. ज्योति पांडेय, डॉ. इंद्रप्रीत कौर, डॉ. रीना पंत और डॉ. सौरभ वर्मा रहे। आयोजन में कुलसचिव हरीश चंद, डॉ. अतुल कटिहार, डॉ. अमित कुमार सिंह, तपन वर्मा, पंखुड़ी कंचन, मेधावी वर्मा, दीपांशी, तनिष्का, पीयूष पाल, महक, मुमताज, कविता, शिवम गंगवार, शौर्य, अपूर्वा, भव्या शर्मा, शिवम पटेल, आलमीन नकवी, आन्या शुक्ला, कृशांगी, ऋषभ आदि मौजूद रहे।

बरेली कॉलेज में राष्ट्रीय गणित दिवस पर होगी विचार गोष्ठी

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज के गणित विभाग में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय गणित दिवस पर पीजी फोरम की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। विभागाध्यक्ष स्वदेश सिंह के नेतृत्व में सोमवार को पीजी फोरम के विद्यार्थियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की। कार्यक्रम के लिए विभाग के एसोसिएट प्रो. आशुतोष उपाध्याय को डायरेक्टर और एसोसिएट प्रो. निखिल कुमार को ज्वांइट डायरेक्टर नियुक्त किया गया।

अधिवेशन में इतिहासकार नवीन ने किया ब्रज व मेरठ का प्रतिनिधित्व

बरेली, अमृत विचार : पानीपत के समालखा के माधव जन-सेवा-न्यास परिसर में संपन्न हुए अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के तीन दिवसीय त्रिवार्षिक अधिवेशन में बरेली से वरिष्ठ इतिहासकार एवं इतिहास संकलन समिति के प्रांतीय कोषाध्यक्ष प्रो. नवीन चंद्र गुप्ता ने संयुक्त रूप से ब्रज व मेरठ प्रांत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने महाभारत में प्रतिबिंबित मानवीय और नैतिक मूल्यों की प्रासंगिकता पर आधारित अपना शोध पत्र भी पढ़ा। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष प्रो. राघवेंद्र सिंह तंवर, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के अध्यक्ष प्रो. देवी प्रसाद सिंह आदि ने विचार रखे। इतिहास का लेखन कैसे हो, नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम का स्वरूप कैसा हो आदि महत्वपूर्ण विषयों पर भी व्यापक विमर्श किया गया।

लायंस क्लब बरेली मैग्नेट सिटी ने 32 यूनिट रक्तदान किया

बरेली, अमृत विचार : लायंस क्लब बरेली मैग्नेट सिटी के सहयोग से आईएमए ब्लड बैंक में सोमवार को आयोजित रक्तदान शिविर में क्लब की ओर से 32 यूनिट रक्त मानव सेवा कार्य के लिए डोनेट किया गया। शिविर में सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कुछ सदस्यों एवं परिवार के बच्चों ने प्रथम बार रक्तदान किया। शिविर में क्लब अध्यक्ष दिलीप खंडेलवाल, क्लब सेक्रेटरी नीरज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजेश खंडेलवाल, योगेश गोयल, राजेश गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, सुशील गोयल, संजय गुप्ता, नवीन अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, एके गुप्ता, सीए सुमित अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, अभय गोयल, अनिल अग्रवाल, डॉ. प्रवीण गुप्ता आदि ने रक्तदान किया।

अब एआई पावर्ड सीटी स्कैनर से 6 सेकंड में टल जाएगा हृदयघात का खतरा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली के फोकस एमआरआई एंड डायग्नोस्टिक्स व फोकस पैथलैब में अत्याधुनिक एआई पावर्ड सीटी स्कैन मशीन स्थापित हो गई है। इसके साथ ही, बरेली अब प्रदेश के उन चुनिंदा शहरों में शामिल हो गया है, जहां हृदय और पूरे शरीर की जांच मात्र कुछ सेकंड में संभव है। इस मशीन की स्थापना से दिल्ली और लखनऊ के बीच यह पहला ऐसा केंद्र बन गया है।

फोकस एमआरआई एंड डायग्नोस्टिक्स व फोकस पैथलैब के चेयरमैन डॉ. मोहित अग्रवाल ने बताया कि यह तकनीक हृदय रोगों की शुरुआती पहचान में गेम चेंजर साबित होगी। यह नवाचार पश्चिमी यूपी में डायग्नोस्टिक इमेजिंग को नई ऊंचाई देगा। मरीजों को कार्डियक एंजियोग्राफी या एडवांस स्कैनिंग के लिए अब दिल्ली या लखनऊ के चक्कर नहीं लगाने होंगे।

बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार भारत में हृदय रोग मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। यह नई एआई-संचालित तकनीक से हृदय, फेफड़ों और रक्त वाहिकाओं में हो रहे सूक्ष्म बदलावों को पहले चरण में ही पकड़ सकती है। जिससे हृदयघात जैसी खतरनाक स्थिति का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। यह स्कैनर 6 सेकंड से भी कम समय में पूरे शरीर की इमेजिंग करने में सक्षम है। एक वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट ने बताया कि जो जांच पहले 20-25 मिनट में होती थी, वह अब कुछ सेकंड में पूरी हो जाती है। इसकी गति 500 स्लाइस प्रति सेकंड है, जिसमें 0.28 मिमी रेजोल्यूशन जैसी विशेषताएं शामिल हैं। इस मशीन से दिल की धमनियों में ब्लॉकेज, रुकावट या कैल्शियम के जमाव की स्पष्ट तस्वीर प्रदान करता है, जिससे सही उपचार समय पर शुरू हो सके। यह तकनीक उन सभी लोगों के लिए वरदान है, जो तनाव, मोटापा या डायबिटीज से जूझ रहे हैं।

फोकस पैथलैब। ● अमृत विचार

प्रो. मदन लाल को मिला ह्यूमन एक्सीलेंस गोल्डन अवार्ड

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त गणित विभागाध्यक्ष प्रो. मदन लाल और फार्मेसी के डॉ. कौशल कुमार के नेतृत्व में अनुप्रयुक्त गणित विभाग के 19 और फार्मेसी के 7 शोधार्थियों ने ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ की ओर से आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एन्वायरनमेंट एंड सोसाइटी (आईसीईएस) में ऑनलाइन प्रस्तुति दी। इनमें अनुपयुक्त गणित विभाग की दिव्या चौधरी ने ऑनलाइन वाचिक प्रस्तुति में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सम्मेलन में शोधार्थी शिवांगी वर्मा, अंशिका अग्रवाल, आकांक्षा सक्सेना एवं हर्षिता सिंह के शोध कार्य की विशेष रूप से प्रशंसा की गई। यह सम्मेलन जीईएसए नई दिल्ली, जेडएसआई कोलकाता, एनआरएलसी लखनऊ, उप्र राज्य जैव विविधता बोर्ड लखनऊ, द अमेरिकन यूनिवर्सिटी यूएसए और ईसीआरडी रिसर्च एंड एजुकेशन काउंसिल हरियाणा के सहयोग से सम्पन्न हुआ। लखनऊ में आयोजित सम्मेलन में भारत, अफगानिस्तान, अमेरिका, नेपाल, म्यांमार एवं भूटान सहित कुल 6 देशों के 400 से अधिक वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सहभागिता की। प्रो. मदन लाल ने सम्मेलन में ऑफलाइन सहभागिता करते हुए द अमेरिकन यूनिवर्सिटी यूएसए का प्रतिष्ठित ह्यूमन एक्सीलेंस गोल्डन अवार्ड भी प्राप्त किया।

इस पुरस्कार संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष प्रो. डॉ. मधु कृष्णन हैं। इसके साथ ही प्रो. मदन लाल को सम्मेलन सत्र की अध्यक्षता और आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत करने का भी सम्मान प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. केपी सिंह प्रो. मदन लाल के सभी को शुभकामनाएं दी।

प्रो. मदन लाल को सम्मानित किया गया।

- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एन्वायरनमेंट एंड सोसाइटी में अनुप्रयुक्त गणित विभाग के 19 एवं फार्मेसी के 7 शोधार्थियों ने भाग लिया

रुविवि

शासन के आदेश पर कुलसचिव ने महाविद्यालयों को नैक प्रक्रिया शुरू करने के दिए निर्देश

महाविद्यालयों से नैक मूल्यांकन से संबंधित विवरण मांगा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: शासन के आदेश के बावजूद कई महाविद्यालयों में अब तक नैक मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है, जिनमें शुरू है, उनमें भी तैयारी अधूरी है। इस संबंध में रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलसचिव हरीश चंद्र ने सभी महाविद्यालयों से निर्धारित बिंदुओं पर 11 दिसंबर तक सूचना मांगी है।

कुलसचिव ने महाविद्यालयों को निर्देश दिए कि उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव के निर्देश के अनुसार सभी संबद्ध महाविद्यालयों को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से संबंधित विवरण निर्धारित प्रपत्र में उपलब्ध कराना अनिवार्य है। इसलिए समय पर जानकारी उपलब्ध कराएं ताकि इसे शासन को उपलब्ध कराया जा सके। इसके अलावा जिन महाविद्यालयों ने अब तक नैक प्रत्यायन प्रक्रिया शुरू नहीं की है, उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे तत्काल प्रक्रिया प्रारंभ कर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं। शासन ने नैक मूल्यांकन की स्थिति के तहत मंडल का नाम, जनपद का नाम, संबंधित क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी कार्यालय का नाम, संबंधित विश्वविद्यालय का नाम, महाविद्यालय का पूरा नाम, महाविद्यालय का प्रकार यानी राजकीय, संघटक, अशासकीय, सहायता प्राप्त व स्ववित्त पोषित, महाविद्यालय का स्थापना वर्ष और ऐश कोड, साइकिल, सीजीपीए, ग्रेड, नैक मूल्यांकन की वैद्यता अवधि, नैक मूल्यांकन की वर्तमान स्थिति, उच्च शिक्षा निदेशालय स्तर पर नैक मूल्यांकित महाविद्यालयों के प्रोत्साहन के लिए संचालित योजनाओं, सम्मान, अनुदान स्वीकृति में वरीयता संबंधी प्राविधानों का विवरण आदि उपलब्ध कराना होगा।

- 11 बिंदुओं पर 11 दिसंबर तक देनी होगी सूचना

एनईपी-2020 के क्रियान्वयन की भी मांगी सूचना

बरेली,अमृत विचार : उच्च शिक्षा विभाग ने रुहेलखंड विश्वविद्यालय से सभी संबद्ध महाविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के संबंध में कई प्रारूप में सूचना मांगी है। कुलसचिव हरीश चंद्र ने संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों को 11 दिसंबर तक ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से सूचना मांगी है। उच्च शिक्षा अनुभाग-3 के विशेष सचिव ने 11 नवंबर को कई प्रारूप में सूचनाएं उपलब्ध कराने के लिए रुहेलखंड विश्वविद्यालय को पत्र लिखा था। इसके तहत महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की स्थिति, उच्च शिक्षा विभाग और एमएसएमई के मध्य एमओयू के तहत कार्रवाई का विवरण, महाविद्यालय में गठित एल्युमिनी एसोसिएशन की स्थिति, महाविद्यालय में कौशल विकास पाठ्यक्रम और शोध एवं अन्वेषण के लिए संचालित कार्यक्रमों की प्रगति का आकलन, महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों के समग्र मूल्यांकन के लिए प्राविधानों की स्थिति, महाविद्यालयों में संचालित आनलाइन शिक्षा व्यवस्था की स्थिति, महाविद्यालय में समर्थ पोर्टल एवं चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन की स्थिति आदि पर जानकारी देनी होगी।